दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 63 | पंचकूला। वीरवार, 9 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

मोक्ष पीड़ा सहने और जन्म-मृत्यु की अधीनता से मुक्ति है, और यह भगवान की अपारता में स्वतंत्रता और प्रसन्नता का जीवन है।

एक नजर

वरिष्ठ नागरिकों के लिए नि:शुल्क बस सेवा

पंचकूला। शहर में धार्मिक आस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमरनाथ अग्रवाल द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष धार्मिक स्थल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा अप्रैल माह के दौरान विभिन्न पवित्र स्थलों तक संचालित होगी, जिसमें श्रद्धालुओं को एसी कोच के माध्यम से नि:शुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की जाएगी। पंचकूला के पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल की ओर से अपने स्वर्गीय पिता लाला अमरनाथ अग्रवाल की याद में यह यात्रा करवाई जा रही है। पिछले कई वर्षों से कुलभूषण गोयल शहर के वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क यात्रा करवा रहे हैं और हजारों ही लोग इसका लाभ उठा चुके हैं। कुलभूषण गोयल ने बताया कि यह सेवा पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर केवल वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध रहेगी। यात्रा का संचालन पंचकूला से किया जाएगा और बस सेवा माता मनसा देवी गौधाम से शुरू होकर वहीं समाप्त होगी। कुलभूषण गोयल ने बताया कि 11 अप्रैल को रेणुका जी (दिवसीय यात्रा), 18-19 अप्रैल को हरिद्वार (रात्रि विश्राम ङ्क पंचकूला भवन, हरिद्वार) , 25 अप्रैल को सकुंबरी देवी व आदिबद्री (दिवसीय यात्रा) करवाई जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करना और उनकी आस्था को सुदृढ़ करना है। अमरावती एजुकेशनल सोसाइटी, पंचकूला इस यात्रा का संचालन कर रही है। बुकिंग के लिए इच्छुक व्यक्ति सेक्टर-2 स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं या इच्छुक वरिष्ठ नागरिक बुकिंग के लिए मोबाइल नंबर 92161-15297 और 89013-37344 पर संपर्क कर सकते हैं। आयोजकों ने बताया कि सीमित सीटों के कारण समय रहते पंजीकरण करवाना आवश्यक है।

जिला की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

पंचकूला. जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की आवक शुरू होने के साथ खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 1839 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 54 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुरानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुरानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 307 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 218 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1050 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 208 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 56 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा रायपुरानी अनाज मंडी से 54 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

राजकीय ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान कालका एट बिटना में प्री-प्लेसमेंट कैंपस ड्राइव आयोजित

पंचकूला. राजकीय ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान कालका एट बिटना में प्री-प्लेसमेंट कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें गुरुग्राम की बहुराष्ट्रीय कंपनी डेन्सो हरियाणा प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। कंपनी ने मानेसर, झज्जर संयंत्र के लिए कुशल उम्मीदवार की आवश्यकता थी। प्रधानाचार्य श्री मनदीप सिंह ने बताया कि इस ड्राइव में 116 छात्रों ने लिखित परीक्षा दी, जिसमें से 68 छात्रों ने टेस्ट क्वालिफाई किया, जिनका इंटरव्यू लिया गया। उन्होंने बताया कि 35 छात्रों को शॉर्ट लिस्ट किया गया। इस अवसर पर वाइस प्रिंसिपल श्री शिव चरण गौतम, श्री संदीप, श्री मुकेश चंदर अप्रेंटिसशिप इंस्ट्रक्टर व राजकीय ओद्यौगिक प्रशिक्षण संस्थान कालका का स्टाफ मौजूद रहा।

शैक्षिक यात्रा का सफल आयोजन, ऋषिकेश-हरिद्वार में मिला व्यावहारिक ज्ञान

पंचकूला. राजकीय महाविद्यालय, कालका के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग ने प्राचार्या डॉ. गीता सुखीजा के मार्गदर्शन तथा विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र अटवाल के निर्देशन में छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने और कक्षा से परे अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से वाणिज्य छात्रों के लिए एक शैक्षिक यात्रा का सफल आयोजन किया। इस यात्रा के अंतर्गत ऋषिकेश, हरिद्वार तथा नीलकंठ महादेव मंदिर के भ्रमण कराए गए। यात्रा के दौरान छात्रों ने पर्यटन प्रबंधन, स्थानीय व्यावसायिक गतिविधियों, धार्मिक पर्यटन की अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इस शैक्षिक यात्रा में 53 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। उनके साथ वाणिज्य संकाय के डॉ. जसपाल सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर अंजना, डॉ. सुरेश कुमार तथा डॉ. सुमन भी उपस्थित रहे। छात्रों ने यात्रा का भरपूर आनंद लिया और यह अनुभव सभी के लिए अत्यंत यादगार रहा।

संतों के दर्शन मात्र से जीव पवित्र हो जाता है :साक्षी गोपाल दास

पंचकूला। हरे कृष्णा प्रचार समिति पंचकूला एवं इस्कॉन कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर-16 स्थित अग्रवाल भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में संत साक्षी गोपाल दास ने संतों की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं के दर्शन मात्र से जीव पवित्र हो जाता है और जीवन में भक्ति का प्रवाह कभी रुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि अज्ञानी व्यक्ति दुख आने पर भक्ति से दूर हो जाता है, जबकि सच्चा भक्त हर परिस्थिति में भगवान का स्मरण करता है। कथा के दौरान उन्होंने कुंती महारानी का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि जब भगवान ने उनसे वर मांगने को कहा तो उन्होंने कष्ट ही मांगे, ताकि हर संकट में भगवान के दर्शन होते रहें और उनका मोक्ष सुनिश्चित हो। साक्षी गोपाल दास ने कहा कि भक्ति ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति है और भगवान को पाना ही मनुष्य का परम लक्ष्य है। जो व्यक्ति धर्म और सत्य के मार्ग पर चलता है, उसकी रक्षा स्वयं भगवान करते हैं। उन्होंने गीता का संदेश दोहराते हुए कहा कि सभी प्रकार के बाहरी धर्म-कर्म छोड़कर भगवान की शरण में जाने से ही पापों से मुक्ति मिलती है। आत्मा का सच्चा धर्म भगवान की सेवा और भक्ति करना है।

पंचकूला नगर निगम में एससी आरक्षण घटाने का फैसला रद्द, हाईकोर्ट ने बताया असंवैधानिक

2011 जनगणना की जगह एफआईडीआर डेटा के इस्तेमाल पर कोर्ट की आपत्ति

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 4 से घटाकर 3 करने के राज्य सरकार के फैसले को अदालत ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह निर्णय संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है।अदालत ने अपने फैसले में कहा कि राज्य सरकार ने सीटों के निर्धारण के लिए जहां कुल सीटों की संख्या तय करने में फैमिली इंफॉर्मेशन डेटा रिपॉजिटरी (FIDR) का सहारा लिया, वहीं एससी आबादी के आधार पर आरक्षण तय करने के लिए केवल 2011 की जनगणना का उपयोग किया। यह दोहरा मापदंड संविधान के अनुच्छेद 243ङ्क की भावना के विपरीत है।कोर्ट ने यह भी कहा कि नगर निगम पंचकूला की भौगोलिक सीमा में बदलाव के बाद, 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर नई सीमाओं के अनुसार ही आबादी की गणना की जानी चाहिए थी। पुरानी सीमा में आने वाले क्षेत्रों की आबादी को बाहर करना जरूरी था, जो नहीं किया गया।

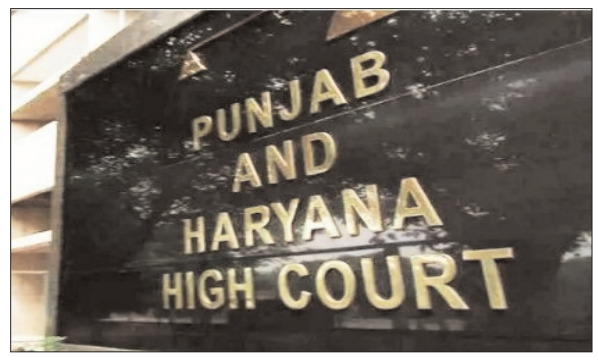

फैसले में स्पष्ट किया गया कि एससी सीटों का निर्धारण केवल 2011 की जनगणना के आधार पर, वर्तमान नगर निगम क्षेत्र की आबादी को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए था। हरियाणा परिवार पहचान अधिनियम 2021 (FIDR) का उपयोग इस उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता।अदालत ने कहा कि 4 सितंबर 2025 की अधिसूचना, जिसके तहत एससी के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 4 से घटाकर 3 की गई थी, वह 2011 की जनगणना पर पूरी तरह आधारित नहीं है, इसलिए यह असंवैधानिक है।इसी आधार पर कोर्ट ने उक्त अधिसूचना को, विशेष रूप से पंचकूला नगर निगम की सीमाओं और एससी आरक्षण से संबंधित हिस्से में, रद्द करते हुए निरस्त कर दिया।कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरक्षण केवल पुनर्गठित नगर निगम क्षेत्र की पूरी आबादी की गणना के बाद, 2011 की जनगणना के आधार पर ही लागू किया जा सकता है, न कि स्नढ्ढष्टक के आधार पर। इस मामले में याचिका आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए अदालत ने सभी लंबित आवेदनों का भी निपटारा कर दिया।

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने स्वागत किया है। पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं पंचकूला शहरी जिलाध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्णय ने लोकतंत्र को मजबूत किया है और चुनावों में संभावित गड़बड़ी को रोक दिया है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अपने समर्थकों को फायदा पहुंचाने के लिए वार्डबंदी और सीटों का आरक्षण मनमाने तरीके से किया था। लेकिन अब अदालत के फैसले से अनुसूचित वर्ग को नगर निगम में उचित प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या कम करना संविधान के प्रावधानों के खिलाफ था।गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा पंचकूला नगर निगम में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 4 से घटाकर 3 करने के निर्णय को उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया है।मनोज अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने गलत आंकड़ों के आधार पर वार्डबंदी की थी और एक आरक्षित सीट भी कम कर दी थी, जो चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश थी। उन्होंने इसे इलेक्शन चोरी की साजिश करार देते हुए कहा कि हाईकोर्ट के फैसले ने इस मामले को उजागर कर दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब सही जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर नया नोटिफिकेशन जारी होगा और निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से चुनाव कराए जाएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद हरियाणा सरकार को अपनी चुनावी रणनीति और डेटा प्रबंधन पर पुनर्विचार करना होगा।

अकुशल वर्कर्स की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का अरुण ग्रोवर ने किया स्वागत

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला. मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में अकुशल वर्कर्स की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने के हरियाणा सरकार के फैसले का इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों ने जोरदार स्वागत किया है। पंचकूला चेंबर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रधान अरुण ग्रोवर ने मजदूरों की भलाई को बेहतर बनाने के उद्देश्य से इस बढ़ी पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया है।श्री अरुण ग्रोवर ने कहा कि न्यूनतम मजदूरी 11,275 रुपए से बढ़ाकर 15,220 रुपए करने की घोषणा मजदूरों की वितिय स्थिति मजबूत करने की दिशा में बढ़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी से राज्य भर के लाखों मजदूरों को सीधा फायदा होगा और उन्हें आवश्यक आर्थिक राहत मिलेगी, जिससे उनका जीवन स्तर और भी बेहतर होगा। अरुण ग्रोवर ने कहा कि अर्थव्यवस्था को मढ़बूत करने में मजदूर वर्ग का अहम रोल होता है। यह उत्पादन, नवाचार और खपत को बढ़ाने वाला ईंधन होता है। उन्होंने कहा कि बेहतर सैलरी के ढ़रिए मजदूरों को मढ़बूत बनाने से ओवरऑल इकॉनमिक ग्रोथ और औद्योगिक उत्पादकता पर अच्छा असर पढ़ेगा। श्री अरुण ग्रोवर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लिया गया यह फैसला राज्य सरकार के सर्वांगीण विकास और समाज कल्याण के प्रति वादे को दर्शाता है। उन्होंने भरोसा जताया कि ऐसे प्रगतिशील कदम मजदूरों के बीच विश्वास को और बढ़ाएंगे और हरियाणा में स्थाई आर्थिक तरक्की में मदद करेंगे।

राज्य प्रवर्तन ब्यूरों ने चलाया विशेष अभियान

एडीजीपी के निर्देश पर 2026 में 90 बिजली चोर गिरफ्तार

पंचकूला. हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरों के अतिरिक्त महानिदेशक श्री नवदीप सिंह विर्क ने एक समीक्षा बैठक में ब्यूरों के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक से अधिक बार आदतन बिजली चोरी करने वालों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाना होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यवाही का उद्देश्य समाज में यह कड़ा संदेश देना है कि बिजली चोरी केवल राजस्व की क्षति नहीं है बल्कि एक अपराध है। इस कड़ी में विशेष कार्यवाही करते हुए हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरों द्वारा धारा 135 विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत मुकदमें दर्ज करके इरादतन एवं आदतन बिजली चोरों को गिरफ्तार किया गया है। वर्ष 2026 में जनवरी से मार्च तक इस प्रकार के 90 लोंगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करके गिरफ्तारी हुई है। इस तरह चिन्हित कर हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरों द्वारा पूरे राज्य मे कार्यवाही की जा रही है।

आदतन बिजली चोरों के विरूद्ध हरियाणा राज्य प्रवर्तन की अब तक की कार्यवाही

पंचकूला में 1, फरीदाबाद में 13, नूह में 2, गुरूग्राम में 48, रेवा?ी में 3, फतेहाबाद में 30, जींद में 104, हिसार में 136, सिरसा में 33, झज्झर में 6, चरखी दादरी में 8, रोहतक में 2, सोनीपत में 2, भिवानी में 10 कुल मिलाकर 398 आरोपी गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने इस अभियान के लिए थाना प्रबन्धकों एवं अनुसंधान अधिकारियों की प्रशंसा की। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक श्री कुलदीप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री ताहिर हुसैन विशेष रूप से उपस्थित थे।

वर्ष 2026 की पहली तिमाही में बिजली चोरी की वसूली से 37.38 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ

जिलेवार की गई वसूली (करोड में) का विवरण इस प्रकार है- अंबाला (1.98), कुरूक्षेत्र (1.09), पंचकूला (0.16), यमुनानगर (0.62), फरीदाबाद (4.37), पलवल (1.92), नूह (0.81), गुरूग्राम (4.28), महेन्द्रग? (0.41), रेवाड़ी (1.54), फतेहाबाद (1.93), जींद (1.96), हिसार (2.20), सिरसा (0.96), करनाल (0.67), पानीपत (1.31), कैथल (2.12), झज्जर (1.60), चरखी दादरी (0.93), रोहतक (1.92) सोनीपत (1.80) और भिवानी (2.80).

अरुणाचल में 2,920 मेगावाट के दो हाइड्रो प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश में दो बड़े जलविद्युत परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं के तहत कुल 40,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया जाएगा, जिससे राज्य में बिजली उत्पादन, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।

पहली परियोजना कालई-ढ्ढढ्ढ हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट है, जिसे अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में लोहित नदी पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना पर 14,105.83 करोड़ रुपए की लागत आएगी और इसे पूरा करने में लगभग 78 महीने का समय लगेगा। 1200 मेगावाट क्षमता वाले इस प्रोजेक्ट से हर साल करीब 4852.95 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन होने की उम्मीद है। कैबिनेट ने कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को भी मंजूरी दी है, जिसकी क्षमता 1720 मेगावाट है और इस पर 26,069.50 करोड़ का निवेश किया जाएगा।

डीसी ने रायपुररानी व बरवाला अनाजमंडियों का किया दौरा

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला. उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने रबी सीजन 2026-27 गेहूं की आवक के मद्देनजर आज रायपुररानी व बरवाला अनाजमंडियों का दौरा किया व गेहूं फसल की आवक और उठान संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मंडी में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान मंडियों को किसानों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं, बिजली, पानी, साफ सफाई और बायोमैट्रिक प्रणाली की गहन समीक्षा की और बरवाला मार्केट कमेटी के सचिव सुरेंद्र सिंह, रायपुररानी मार्केट कमेटी के सचिव देवेंद्र सिंह व जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक जतिन मित्तल को मंडियों में ये सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिले में गेहूं की आवक शुरू हो गई है। आने वाले समय में मंडियों में गेहूं की आवक और ज्यादा होने वाली है। इसलिए सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित कार्यों का पुख्ता प्रबंध रखें ताकि जिले के किसानों को किसी असुविधा का सामना न करना प?। उपायुक्त ने बरवाला अनाजमंडी में नमी मशीन से गेहूं की जांच की। उन्होंने इस दौरान मंडी में मौजूद किसानों व आढतियों से बातचीत भी की।

उपायुक्त ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि किसानों को उनकी बेची गई फसल का भुगतान अधिकतम 48 घंटे के भीतर उनके पंजीकृत बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित कर दिया जाए। उन्होंने जिला के किसानों को बताया कि मार्केट कमेटी का कार्यालय भी 24 घंटे कार्यरत है तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि किसानों की फसल का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाए तथा किसी भी किसान को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। किसी भी स्थिति में केवल गुणवत्ता के आधार पर किसानों की उपज को अनुचित रूप से अस्वीकार नहीं किया जाएगा। किसानों की समस्याओं या विशेष परिस्थितियों के समाधान हेतु पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

इस अवसर पर बरवाला मार्केट कमेटी के चेयरमैन देसराज पोसवाल, जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग जतिन मित्तल व रायपुररानी मार्केट कमेटी के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सीजेएम अजय कुमार घनघस ने सिविल अस्पताल सेक्टर-6 में नशा मुक्ति केंद्र का किया औचक निरीक्षण

- **साफ-सफाई की स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं का लिया जायजा**
- **सीजेएम ने गांव बीर घग्गर स्थित स्कूल में विधिक सहायता क्लिनिक के प्रभावी संचालन के लिए उचित व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए**

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला. श्री अजय कुमार घनघस , मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला ने आज सेक्टर-6, सरकारी अस्पताल, पंचकूला स्थित नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, श्री अजय कुमार ने केंद्र में साफ-सफाई की स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया । उन्होंने केंद्र में रखे सभी रजिस्टरों की भी जांच की और वहां इलाज करवा रहे मरीजों से बातचीत की। मरीजों ने वॉशरूम और शौचालयों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की । इस मामले को गंभीरता से लेते हुए, श्री अजय कुमार घनघस ने कमरों, फर्श और शौचालयों की साफ-सफाई में तत्काल सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को शौचालयों की मरम्मत के लंबित कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने को कहा ताकि मरीजों को असुविधा न हो । उन्होंने मरीजों को दी जाने वाली चादरों की स्थिति का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मरीजों को नियमित रूप से साफ और स्वच्छ बिस्तर सामग्री (बेडिंग) उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद, श्री घनघस ने गांव बीर घग्गर स्थित सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे विधिक सहायता क्लिनिक का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान स्कूल की प्रधानाचार्य सुश्री नीलम उपस्थित थीं। उन्होंने प्रधानाचार्य को निर्देश दिया कि वे क्लिनिक में तैनात पैरा लीगल वालंटियर्स और पैनल अधिवक्ताओं की उपस्थिति की नियमित रूप से निगरानी करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि क्लिनिक के प्रभावी संचालन के लिए उचित बुनियादी ढांचा, जिसमें एक समर्पित कमरा, कुर्सियां और मेजें शामिल हैं, उपलब्ध कराया जाए। नगर समिति को भी निर्देश जारी किए गए कि वे गांव में मुनादी (सार्वजनिक घोषणाएं) करवाकर विधिक सहायता क्लिनिक के बारे में जागरूकता फैलाएं, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण अपनी कानूनी समस्याओं के लिए मुफ्त कानूनी सेवाओं का लाभ उठा सकें। घनघस ने स्कूल अधिकारियों को आश्वासन दिया कि क्लिनिक में जागरूकता और पहुंच (आउटरीच) गतिविधियों को मजबूत करने के लिए आवश्यक कानूनी साक्षरता सामग्री जल्द ही उपलब्ध कराई जाएगी।

हरियाणा स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर की नियुक्ति पर यूपीएएनआर फार्मा एसोसिएशन ने दी बधाई

पंचकूला.. यूपीएएनआर फार्मा एसोसिएशन ने हरियाणा में ड्रग्स कंट्रोलर पद पर हुई नई नियुक्तियों का स्वागत करते हुए रिपन मेहता को स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर-कम-लाइसेंसिंग अथारिटी तथा परजिंदर सिंह को डिप्टी स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से मुलाकात कर फार्मा उद्योग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों और नई नियामकीय नीतियों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में उद्योग में गुणवत्ता, पारदर्शिता, अनुपालन और औषधियों की सुरक्षा व प्रभावशीलता को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने उद्योग के सामने आ रही मौजूदा चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया और उनके समाधान के लिए सकारात्मक सुझाव प्रस्तुत किए। विश्वास जताया कि रिपन मेहता और परजिंदर सिंह के नेतृत्व में हरियाणा का फार्मा उद्योग नई ऊंचाइयों को छुएगा तथा प्रशासन और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। इस मौके पर यूपीएएनआर के चेयरमैन रोहतास शर्मा, जनरल सेक्रेटरी नवीन सूटेरी, जाइंट सेक्रेटरी हरीश सिंगला, पंकज कपूर, साहिल और ईशेंद्र मोहन सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एक नजर

पंजाब के आढ़तियों ने वापस ली हड़ताल, गेहूं की खरीद फिर शुरू

चंडीगढ़। पंजाब के आढ़तियों ने आज कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री सरदार गुरमीत सिंह खुड्डियां और जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल के साथ बैठक के बाद एक हफ्ते से चल रही हड़ताल वापस ले ली है। हड़ताल वापस होने से राज्य की मंडियों में गेहूं की फसल की निर्विघ्न खरीद फिर शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार सरदार खुड्डियां और श्री गोयल ने फेडरेशन ऑफ आ ?तिया एसोसिएशन ऑफ पंजाब के अध्यक्ष विजय कालड़ा की अगुवाई वाले आढ़तियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ उनकी विभिन्न मांगों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। सरकार द्वारा आढ़तियों के जायज मुद्दों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और समाधान करने के आश्वासन के बाद फेडरेशन ने तुरंत हड़ताल वापस लेने का ऐलान किया। सरदार गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा, मौसम की खराबी ने हमारे किसानों को बहुत प्रभावित किया है। इसमें कोई शक नहीं है कि चाहे सरकार हो, आढ़ती हो या कोई अन्य साथी, हम सब किसानों के कारण ही रहते हैं। प्राकृतिक आपदाओं से कोई अकेला नहीं निपट सकता, इसलिए ऐसे समय में हमें एकजुट होकर एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। उन्होंने आढ़तियों को भरोसा दिलाया कि उनके दरवाजे बातचीत के लिए हमेशा खुले हैं। उन्होंने आगे कहा, यह जरूरी नहीं है कि हम हमेशा मुद्दों को हल करने के लिए कोई बड़ी औपचारिक बैठक करें। छोटी लेकिन सौहार्दपूर्ण बातचीत भी बड़ी समस्याओं का समाधान कर सकती है। यदि किसी आढ़ती या किसान को कोई परेशानी आए तो मुझे बताएं। हम साथ बैठकर समाधान निकालेंगे। मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की सक्रिय पहल का स्वागत करते हुए विजय कालड़ा ने कहा कि हम एक परिवार हैं। परिवार में बातचीत के माध्यम से मुद्दों का समाधान किया जाता है और किसान हमारी प्रमुख प्राथमिकता हैं तथा हमेशा रहेंगे। अधिकारियों को गेहूं की सुचारू, पारदर्शी और निर्विघ्न खरीद सुनिश्चित बनाने के निर्देश देते हुए सरदार खुड्डियां ने मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की किसानों के हितों की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया और आढ़तियों की जायज समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने का भरोसा दिया।

हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश, नाबालिग समेत चार व्यक्ति 7 पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

चंडीगढ़/अमृतसर. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित प्रदेश बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने चार व्यक्तियों को, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है, सात आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार करके सरहद पार से हथियारों की तस्करी के मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ गिंदर (32), जॉबनबीर सिंह उर्फ जॉबन (23), दोनों निवासी गांव लधेवाल, अमृतसर; गांव भूसे, तरन तारन के निवासी लवप्रीत सिंह उर्फ लव; और एक 16 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई है। बरामद की गई पिस्तौलों में दो .30 बोर पीएक्स 5 स्टॉर्म, इटली निर्मित दो .30 बोर पिस्तौल, एक .30 बोर चीनी पिस्तौल, ऑस्ट्रिया निर्मित एक .30 बोर और एक 9 एमएम पिस्तौल तथा 12 जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस टीमों ने मुलजिमों का मोटरसाइकिल भी जब्त कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उक्त मुलजिम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि अवैध हथियारों की खेप अटारी सेक्टर में गांव भैणी और नेश्टा क्षेत्र के पास ड्रोन के जरिए भेजी जा रही थी। डीजीपी ने बताया कि अपने हैंडलरों के निर्देश पर काम करते हुए उक्त मुलजिम निर्धारित जगहों से खेपें प्राप्त करके इन्हें आगे अपने स्थानीय गुर्गों को सप्लाई करते थे। उन्होंने कहा कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है। पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कार्रवाई संबंधी विवरण साझा करते हुए कहा कि आरोपी गुरविंदर उर्फ गिंदर, जॉबनबीर उर्फ जॉबन और लवप्रीत उर्फ लव को छह पिस्तौलों सहित गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान उनका चौथा साथी मौके से भागने में कामयाब रहा, जिसके बाद पुलिस टीमों ने अपनी तलाश जारी रखी और तेजी से कार्रवाई करते हुए अगले दिन उक्त नाबालिग आरोपी को एक पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गुरविंदर उर्फ गिंदर और लवप्रीत उर्फ लव के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। साथ ही नाबालिग आरोपी के खिलाफ अमृतसर देहाती के पुलिस थाना घरिंडा में असला एक्ट के तहत पहले भी एक आपराधिक मामला दर्ज है, जिसमें उसके पास से तीन पिस्तौल बरामद की गई थीं।

मौसम की मार झेल रहे किसानों को गुमराह करने की बजाए मुआवजा दे सरकार: खन्ना

संगरूर। शिरोमणि अकाली दल के हलका इंचार्ज एवं पूर्व विधायक अरविंद खन्ना ने पंजाब सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि बेमौसमी बारिश तथा ओलावृष्टि प्रभावित किसानों को गुमराह करने की बजाए उन्हें तुरंत प्रभाव से 50 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाए। क्योंकि जो सरकार अभी तक पिछले साल आई बाढ़ से प्रभावित किसानों को मुआवजा नहीं दे सकी है उस सरकार से अब बेमौसमी बरसात से हुए नुकसान का मुआवजा देने की उम्मीद नहीं की जा सकती। अरविंद खन्ना ने संगरूर के गांव चंगाल, बंगावाली समेत कई गांवों में किसानों से रूबरू हुए और उनकी समस्याएं सुनी। किसानों से बातचीत के बाद अरविंद खन्ना ने कहा कि संगरूर समेत समूचे पंजाब के किसानों को प्राकृति के साथ- साथ पंजाब सरकार की मार झेलनी पड़ रही है। बेमौसमी बरसात व ओलावृष्टि ने जहां फसल बर्बाद कर दी है वहीं मंडियों में किसानों के लिए कोई सुविधा नहीं है। मंडियों में भी बारिश के कारण फसल भीग रही है। अपनी नाकामियों के लिए अब सरकार किसानों को गेहूं में नमी की मात्रा अधिक बताकर परेशान करेगी। अरविंद खन्ना ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी पंजाब सरकार किसानों को भगवान भरोसे छोड?र गायब हो गई है। मुख्यमंत्री गिरदावरी करवाने केवल दावे कर रहे हैं। जो सेटलाइट किसानों के खेत में जलती हुई पराली को देखती है उसे बारिश व ओलावृष्टि से हुआ नुक्सान क्यों नजर नहीं आता। अरविंद खन्ना ने कहा कि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल ने पंजाब में बाढ़ के दौरान किसानों की सीधी आर्थिक मदद की थी। अब पार्टी की तरफ से किसानों की मदद के लिए योजना बनाई गई है।

मान सरकार द्वारा मोहाली में अत्याधुनिक बहु-उद्देशीय प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर किया जाएगा विकसित : संजीव अरोड़ा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, स्थानीय निकाय तथा बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने आज मोहाली में पल्कशा यूनिवर्सिटी और सेक्टर 83 के इंफोसिस कैंपस के निकट एक अत्याधुनिक बहु-उद्देशीय प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर (ई.सी.सी.) विकसित करने का ऐलान किया। यह निवेश, बुनियादी ढांचे और विश्वव्यापी व्यापारिक अवसरों के केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहे पंजाब का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, अरविंद केजरीवाल, राष्ट्रीय संयोजक और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी नेतृत्व में की जा रही यह ऐतिहासिक पहल पंजाब को निवेश और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए पसंदीदा स्थान बनाने के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रोजेक्ट की अधिक जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कन्वेंशन सेंटर मोहाली आईटी सिटी के बिल्कुल बीच में लगभग 14 एकड़ क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। लगभग 250 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाला यह प्रोजेक्ट एग्जीकन इवेंट्स मीडिया सॉल्यूशंस लिमिटेड द्वारा विकसित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि प्रोजेक्ट के लिए रियायत की अवधि 15 वर्ष होगी।

मंत्री ने कहा, इस प्रोजेक्ट के तहत बड़े स्तर पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए एक अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा, जो विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से लैस होगा।

उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण 31 दिसंबर 2026 तक और दूसरा चरण 31 दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

बुनियादी ढांचे के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि ई.सी.सी. में बड़े स्पैन वाले कॉलम-फ्री प्रदर्शनी हॉल होंगे, जिनमें लगभग 40,000 वर्ग फुट और 15,000 वर्ग फुट के दो बड़े हॉल के साथ लगभग 15,000 वर्ग फुट में फैला रिटेल, फूड और बेवरेज जोन तथा लगभग 1000 वाहनों की पार्किंग सुविधा भी शामिल होगी। उन्होंने आगे कहा कि इस सुविधा में विश्व स्तरीय लैंडस्केप वाले पब्लिक स्पेस और आयोजन करने के लिए खुले सार्वजनिक क्षेत्र भी शामिल होंगे।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, ई.सी.सी. एक लचीला, बहु-कार्यात्मक स्थान के रूप में काम करेगा, जो 5,000 से 10,000 डेलिगेट्स वाली कॉन्फ्रेंस और सम्मेलनों की मेजबानी, 2,000 लोगों की सुविधा के लिए लगभग 20,000 वर्ग फुट के मीटिंग एरिया, 200 से 500 बूथों वाले व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों, 1,000 से 10,000 श्रोताओं वाले कॉर्पोरेट कार्यक्रमों, 1,000 से 10,000 लोगों वाले सांस्कृतिक और विविध कार्यक्रमों तथा 15,000 लोगों तक के सामाजिक आयोजनों की मेजबानी करने में सक्षम है।

आधुनिक डिजाइन और स्थिरता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस सुविधा में उन्नत कॉलम-फ्री संरचनात्मक प्रणालियां, कुशल ट्रैफिक सर्कुलेशन और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग, आधुनिक एमइपी, एवी, आइटी सिस्टम का एकीकरण, एनबीसी मानकों का पालन, अग्नि सुरक्षा और पहुंच-योग्यता मानक तथा ग्रीन 5-स्टार सस्टेनेबल डिजाइन सिद्धांत अपनाए जाएंगे।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा, यह कन्वेंशन और प्रदर्शनी केंद्र पंजाब के लिए एक नुहार बदलने वाला प्रोजेक्ट साबित होगा। यह ग्लोबल कार्यक्रमों की मेजबानी, निवेश आकर्षित करने और बड़े स्तर पर रोजगार सृजन की हमारी क्षमता को प्रभावी ढंग से बड़ाएगा। मोहाली एक आधुनिक शहरी और टेक्नोलॉजी हब के रूप में तेजी से उभर रहा है और ऐसा विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा इसके विकास की गति को और तेज करेगा।

आर्थिक प्रभावों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट के पहले पांच वर्षों में 15,000 से 25,000 के बीच रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। साथ ही पर्यटन, आतिथ्य और सहायक क्षेत्रों को बड़ावा देते हुए पंजाब को एक अग्रणी माइस डेस्टिनेशन के रूप में पंजाब की स्थिति मजबूत करेगा।

मंत्री संजीव अरोड़ा ने आगे कहा, यह प्रोजेक्ट मोहाली को 21वीं सदी के आईटी और सेवाओं के हब के रूप में विकसित करने, व्यवसाय करने में आसानी बड़ाने, निवेशक इकोसिस्टम को मजबूत करने और विश्व स्तरीय सहयोग एवं आयोजनों को समर्थन देने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा बनाने के पंजाब सरकार के व्यापक विजन से पूरी तरह मेल खाता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एग्जीकन ग्रुप के चेयरमैन एम. क्यू. सईद, पुडा के ए.सी.ए. विकास हीरा, प्रोजेक्ट के आर्किटेक्ट संजय सूर्या और राहुल शाह, डायरेक्टर उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने पी.ए.यू. लुधियाना में उत्तरी भारत की पहली केंद्रीय धुरवी सिंचाई प्रणाली का किया उद्घाटन

पानी संरक्षण के लिए नई तकनीक अपनाने पर दिया जोर

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़/लुधियाना। पंजाब के भूमि एवं जल संरक्षण, खान एवं भू-विज्ञान तथा जल संसाधन मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी.ए.यू.), लुधियाना में राज्य की पहली केंद्रीय धुरवी सिंचाई प्रणाली का उद्घाटन किया। यह उत्तरी भारत में आधुनिक, स्वचालित सिंचाई तकनीक की स्थापित की गई पहली परियोजना है। पी.ए.यू. के वाइस चांसलर डॉ. सतबीर सिंह गोसल, डी.जी.एम. नाबार्ड अमित गर्ग तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रगतिशील किसान, वैज्ञानिक, फैकल्टी सदस्य तथा मृदा एवं जल संरक्षण, कृषि, बागवानी और अन्य संबद्ध विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए।

इस मौके पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने वैज्ञानिकों, अधिकारियों और विद्यार्थियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) के उभरते युग में नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने और अत्याधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील की। उन्होंने पंजाब में भूजल की नाजुक स्थिति को उजागर करते हुए जल संरक्षण के लिए आधुनिक सिंचाई तरीकों को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

बरिंदर गोयल ने पंजाब सरकार की भूजल संरक्षण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कृषि में सतही जल के उपयोग को बढ़ाने के लिए किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पंजाब में उन्नत केंद्रीय धुरवी सिंचाई प्रणाली की शुरुआत के लिए मृदा एवं जल संरक्षण विभाग की प्रशंसा की तथा पी.ए.यू. में इस अग्रणी प्रदर्शन परियोजना को वित्तीय सहायता देने के लिए नाबार्ड का धन्यवाद किया।

तकनीक का वर्णन करते हुए मंत्री ने कहा कि केंद्रीय धुरी सिंचाई प्रणाली एक बार में पूर्णत: स्वचालित सिंचाई समाधान प्रदान करती है, जो विशेष रूप से श्रमिकों की कमी से जूझ रहे पंजाब के खेतों के लिए लाभदायक है। इस प्रणाली को किसी भी प्रकार के मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती और 3 एकड़ के खेत के लिए सटीक सिंचाई केवल आवश्यक डेटा दर्ज करके प्राप्त की जा सकती है, जिससे पूरा कार्य एक ही चक्र में पूरा हो जाता है। पंजाब के कृषि और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में नाबार्ड द्वारा लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस प्रकार की नवाचारी और मार्गदर्शक पहलों के लिए पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया, साथ ही चल रहे और आगामी परियोजनाओं के लिए निरंतर सहयोग का भी भरोसा दिलाया।

पी.ए.यू. में स्थापित विश्वस्तरीय सिंचाई सुविधा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह किसानों के लिए सटीक और स्वचालित सिंचाई का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन मॉडल सिद्ध होगा।

मुख्य मिट्टी संरक्षण अधिकारी महिंदर सिंह सैनी ने नाबार्ड समर्थित परियोजना के तकनीकी विवरण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि उल्टा स्प्रिंकलर सिस्टम 60 मीटर लंबे आर्म पर लगाए गए हैं, जो एक केंद्रीय धुरी बिंदु के चारों ओर घूमते हैं और बिना किसी मानवीय श्रम के 3 एकड़ के गोलाकार क्षेत्र की सिंचाई करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रणाली जल उपयोग दक्षता में उल्लेखनीय सुधार लाती है, फसल उत्पादन बढ़ाती है और पूरे राज्य में आधुनिक सिंचाई पद्धतियों के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में कार्य करेगी।

स्पीकर संधवां ने 'मेरा घर मेरे नाम' योजना के तहत सौंपे घरों के मालकी सर्टिफिकेट

चंडीगढ़. ।आज ज़िला फरीदकोट के कोटकपूरा में पड़ने वाले गांव फिड्डे कलां में आयोजित समारोह के दौरान पंजाब विधानसभा स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने 'मेरा घर मेरे नाम' योजना के तहत 170 से अधिक लाभार्थियों को उनके घरों के मालकी प्रमाण-पत्र सौंपे। यह योजना पंजाब सरकार द्वारा पंजाब के लोगों को संपत्ति के मालकी अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। इससे पहले इलाके के अधिकांश लोग अपने घरों में रहने के बावजूद कानूनी दस्तावेजों या मालकी अधिकारों से वंचित थे। जिस कारण उन्हें बैंक से ऋण लेने या घर की खरीद-बिक्री के समय कई प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। इस योजना के माध्यम से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को न केवल अपने घरों के पूर्ण कानूनी अधिकार मिलेंगे, बल्कि उनके जीवन में सुरक्षा और स्थिरता भी आएगी। कोटकपूरा के निवासियों ने पंजाब सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने आज हमारा अधूरा सपना पूरा कर दिया है।

मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत चार महीने की दिलजोत को 2.77 लाख का मिला इलाज कवर

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री सेहत योजना की शुरुआत के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा था कि इलाज के बारे में सोचो, बिल के बारे में नहीं। सरकार तुम्हारे इलाज का खर्च उठाएगी। अबोहर में रश्प्रीत कौर और भरत कुमार के घर जन्मी चार महीने की दिलजोत जैसे परिवारों के लिए ये शब्द बहुत मायने रखते हैं। दिलजोत को गंभीर संक्रमण और वेंट्रीकुलर सेप्टल डिफेक्ट (दिल में छेद) की बीमारी पाई गई, जो जन्म से पहले ही विकसित हो जाती है। उसके माता-पिता उसे इलाज के लिए बठिंडा ले गए। उनका एकमात्र मकसद था - उसकी जान बचाना। गंभीर इलाज का खर्च बहुत ज्यादा था, लेकिन मुख्यमंत्री सेहत योजना उनके लिए वरदान बनकर आई। दिलजोत को विशेष चिकित्सकीय देखभाल मिली, जिसमें 24 घंटे निगरानी शामिल थी, और उसके परिवार को एक दिन भी पैसे की चिंता नहीं करनी पड़ी।

भरत कुमार, जो अबोहर में एक छोटा सैलून चलाते हैं, ने कहा कि डॉक्टरों ने उन्हें बताया था कि उनकी बेटी के दिल में छेद है। उनकी बच्ची का इलाज दो अलग-अलग अस्पतालों में हुआ और स्वास्थ्य कार्ड के तहत 2.77 लाख रुपये का पूरा खर्च कवर हो गया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसी भी परिवार को स्वास्थ्य और आर्थिक मुश्किलों में से किसी एक का चुनाव न करना पड़े। इस योजना के तहत हर मां और नवजात बच्चे को सालाना 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिल सकता है - चाहे सरकारी अस्पताल हो या सूचीबद्ध निजी अस्पताल - और यह सुविधा बच्चे के जन्म के पहले घंटों से ही उपलब्ध होती है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बलबीर सिंह ने कहा कि हम गांवों में कार्यक्रम चला रहे हैं ताकि परिवार समय पर जांच करवाएं और इलाज में देरी न करें। पिछले तीन महीनों में ही 6,000 से अधिक नवजात बच्चों का इलाज इस योजना के तहत किया गया है, जो नवजात बच्चों को समय पर चिकित्सा सेवा देने में योजना की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है।

यह योजना जन्म के समय कम वजन, समय से पहले जन्म, संक्रमण और अन्य नवजात जटिलताओं के इलाज में मदद करती है तथा मां की स्वास्थ्य देखभाल और प्रसव के बाद की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत बनाती है। दिलजोत का केस अकेला नहीं है। पूरे पंजाब में अब परिवार नवजात बच्चों को शुरुआती दिनों में ही इलाज के लिए अस्पताल ले आ रहे हैं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि इलाज का खर्च उन्हें नहीं झेलना पड़ेगा।

शहीदों की धरती संगरूर को दीमक कहना बाजवा की घटिया मानसिकता: कुलदीप धालीवाल

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा द्वारा संगरूर की धरती को 'दीमक' पैदा करने वाली धरती बताने वाले बयान पर तीखा हमला बोला है। धालीवाल ने इसे बाजवा की घटिया मानसिकता और पंजाब के गौरवशाली इतिहास के प्रति उनकी अज्ञानता का प्रतीक करार दिया।

बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए धालीवाल ने कहा कि प्रताप सिंह बाजवा को बोलने से पहले संगरूर का इतिहास पड़ लेना चाहिए था। जिस धरती ने शहीद-ए-आजम उधम सिंह, सेवा सिंह ठीकरीवाला जैसे महान देशभक्त, नामधारी कूका लहर और रियासती आंदोलनों को जन्म दिया, उसे 'दीमक' कहना बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि संगरूर वह जिला है जिसने हमेशा इंकलाबी लहरों की अगुवाई की है, चाहे वह आजादी की जंग हो या हालिया किसान आंदोलन।

धालीवाल ने सवाल किया कि बाजवा जिस कांग्रेस नेता संत राम सिंगला की बरसी पर बोल रहे थे, क्या वह भी 'दीमक' थे? उन्होंने कहा कि वहां मौजूद पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला की जमीर ने उन्हें कैसे नहीं टोका कि बाजवा संगरूर की धरती को क्या कह रहे हैं? क्या बाजवा के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्ठल और उनके स्वतंत्रता सेनानी पिता हीरा सिंह भट्ठल भी 'दीमक' थे? बाजवा को पंजाब के लोगों से और संगरूर के निवासियों से तुरंत माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए धालीवाल ने कहा कि असल में कांग्रेस वह 'दीमक' है जिसने 75 सालों तक देश और पंजाब को लूटा है। उन्होंने कहा कि बाजवा साहब, आप उस पार्टी के नेता हैं जिसने पंजाब में इमरजेंसी लगाई, ऑपरेशन ब्लू स्टार किया, सिखों का कत्लेआम किया और हजारों युवाओं को झूठे पुलिस मुकाबलों में मरवा दिया। कोयला घोटाला से लेकर कैप्टन सरकार के समय साधु सिंह धर्मसोत और आशु जैसे मंत्रियों के भ्रष्टाचार तक, आपकी पार्टी ने पंजाब को केवल बर्बाद किया है।

कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी कोई साधारण पार्टी नहीं, बल्कि संगरूर की इसी क्रांतिकारी मिट्टी से उठी एक लहर है, जिसने कैप्टन अमरिंदर सिंह, बादल परिवार और भट्ठल जैसे बड़े-बड़े राजनीतिक किलों की जड़ें हिला दीं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लहर संगरूर से चली थी, वह 2027 में बाजवा के गढ़ कादियां तक पहुंचेगी और कांग्रेस का पूरी तरह सफाया कर देगी।

पिछली बार 92 सीटें आई थीं, अगली बार 100 से पार होंगी क्योंकि पंजाब के लोग अब कांग्रेस की 'लूट और कूट' वाली राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने केंद्र से मांगी तत्काल मदद

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज केंद्र सरकार को पत्र लिखकर हाल ही में भारी बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं सहित रबी की अन्य फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए तत्काल एक उच्च स्तरीय टीम भेजने की अपील की है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने हालिया खराब मौसम के कारण राज्य में गेहूं की फसल पर पड़े प्रतिकूल प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा रबी सीजन के दौरान 35 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई की गई थी और इस बार बंपर उत्पादन की उम्मीद थी, लेकिन लगातार बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसलों को हुए नुकसान ने किसानों के लिए गंभीर चिंता पैदा कर दी है। खुड्डियां ने बताया कि राज्य के कृषि विभाग के प्रारंभिक आकलन के अनुसार 1.30 लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र में फसलों के नुकसान का अनुमान है। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण नुकसान बढ़ता जा रहा है और यह आंकड़ा आगे और बढ़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि यह नुकसान केवल गेहूं तक सीमित नहीं है, बल्कि फाजिल्का, श्री मुक्तसर साहिब, बठिंडा, फरीदकोट, अमृतसर, मोगा और मानसा सहित कई जिलों में सब्जियों, हरे चारे और रबी की अन्य फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। यह स्थिति किसानों की आजीविका और राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन रही है।

मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा इस संकट से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए खुड्डियां ने बताया कि राज्य सरकार ने पहले ही फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए विशेष गिरदावरी के आदेश जारी कर दिए हैं। नुकसान के पैमाने और किसानों पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को ध्यान में रखते हुए उन्होंने केंद्र सरकार से तत्काल राहत और मुआवजे की मांग की है।

खुड्डियां ने जोर देकर कहा कि विस्तृत आकलन के लिए जल्द से जल्द केंद्रीय टीम भेजना आवश्यक है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार किसानों के समर्थन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और केंद्रीय टीम को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

भारत-पाक बॉर्डर पर 200 मीटर तक फेंसिंग शिफ्ट, पंजाब के 6 सरहदी जिलों में होगा भूमि अधिग्रहण

चंडीगढ़. भारत-पाक सीमा पर फेंसिंग को करीब 200 मीटर तक शिफ्ट किए जाने के मामले में बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया गया है। इस कदम के तहत पंजाब के छह सरहदी जिलों में भूमि अधिग्रहण किया जाएगा, जिससे सीमा सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है।

सरकार ने इस प्रक्रिया को तेज और सरल बनाने के लिए अहम बदलाव किए हैं। अब भूमि अधिग्रहण से जुड़े सभी अधिकार सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (स्छरू) को सौंप दिए गए हैं। स्छरू को कलेक्टर की शक्तियां दी गई हैं, जिससे मुआवजा तय करने, पुनर्वास और अन्य प्रशासनिक फैसले जिला स्तर पर ही लिए जा सकेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, इस निर्णय से किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। पहले जहां मुआवजा और पुनर्वास के लिए लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, वहीं अब फैसले स्थानीय स्तर पर तेजी से होंगे। इससे प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा और पुनर्वास सुविधाएं मिलने की संभावना बढ़ेगी। सरहदी इलाकों में रहने वाले किसानों के लिए यह फैसला राहत भरा माना जा रहा है। प्रशासन का दावा है कि नई व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवाद भी कम होंगे।

राशन डिपो आवंटन में महिलाओं को मिलेगा 33 फीसदी आरक्षण

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में लिया फैसला : निकाय प्रतिनिधि बनने या सरकारी नौकरी में जाने पर लाईसेंस करना होगा सरेंडर

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को चंडीगढ़ में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए उचित मूल्य की दुकानों के लाइसेंस आवंटन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को मंजूरी दी। इससे प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के कामकाज को और अधिक सुदृढ़ तथा सुव्यवस्थित करने में सहयोग मिलेगा। कैबिनेट ने हरियाणा लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (लाइसेंसिंग एवं नियंत्रण) संशोधन आदेश, 2026 को अपनी सहमति प्रदान की है। बैठक के बाद मुख्यमंत्री नाबय सैनी ने बताया कि यह संशोधन पूरे राज्य में उचित मूल्य की दुकानों के आवंटन और संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने, दक्षता में सुधार करने और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किए गए हैं।

संशोधित प्रावधानों के तहत, उचित मूल्य की दुकान का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंडों को स्पष्ट रूप से परिभाषित और युक्तिसंगत बनाया गया है। आवेदकों के लिए अब न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10+2 (बारहवीं पास) होना, साथ ही कंप्यूटर का बेसिक ज्ञान होना आवश्यक होगा। आवेदकों के लिए आयु सीमा 21 से 45 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है, और आवेदकों के पास एक वैध %परिवार पहचान पत्र होना तथा संबंधित क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य होगा। आवंटन प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, सरकारी कर्मचारियों, मौजूदा लाइसेंस धारकों और उनके निकटतम परिवार के सदस्यों, साथ ही स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों को इस प्रक्रिया से अयोग्य घोषित किया गया है।

इसमें कड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं, जिनके तहत यदि कोई लाइसेंस धारक बाद में किसी स्थानीय निकाय में निर्वाचित पद ग्रहण करता है या सरकारी सेवा में शामिल होता है, तो उसे अपना लाइसेंस वापस (सरेंडर) करना होगा। ऐसा न करने पर उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा।

इसे 'रोस्टर प्रणाली' के आधार पर लागू किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हर तीसरा लाइसेंस महिलाओं के लिए आरक्षित हो। महिलाओं के लिए निर्धारित इस कोटे के भीतर, एसिड हमले की पीड़ितों, महिला स्वयं सहायता समूहों (प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम एक), विधवाओं और तलाकशुदा/एकल माताओं, तथा एससी/बीसी और सामान्य श्रेणी की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस संशोधन में पारदर्शिता पर भी काफ़ी ज़ोर दिया गया है। इसके तहत, लाइसेंस देने की पूरी प्रक्रिया सरल पोर्टल पर एक ऑनलाइन सिस्टम के ज़रिए पूरी करना अनिवार्य कर दिया गया है।

अब शामलात भूमि से निजी परियोजनाओं के लिए रास्ता सुनिश्चित

हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में गांव की शामलात भूमि (साझा भूमि) से निजी परियोजनाओं तक पहुंच के लिए रास्ता बनाने की नीति को मंजूरी दी है। राज्य में अब यह संभव होगा कि यदि किसी निजी परियोजना के लिए ज़रूरी भूमि तक कोई उपयुक्त मार्ग नहीं है, तो ग्राम पंचायत की सहमति और ग्राम सभा के बहुमत से नया रास्ता निर्धारित किया जा सके। इस कदम का उद्देश्य निजी निवेशकों को परियोजना भूमि तक सरल पहुंच प्रदान करना है, साथ ही पंचायत और ग्रामीणों के हितों की रक्षा करना है। नीति के अनुसार यह रास्ता पूरी तरह पंचायत के स्वामित्व में रहेगा और सभी लोग इसे साझा रूप से उपयोग कर सकेंगे। रास्ता बनाने के लिए परियोजना क्षेत्र के 5त्न हिस्से का स्वामित्व या ग्राम पंचायत द्वारा तय की गई भूमि के चार गुना क्षेत्र का आदान-प्रदान अनिवार्य होगा। इस नई नीति से बुनियादी ढांचा, आवासीय और औद्योगिक परियोजनाओं के विकास में पारदर्शिता और सुगमता बढ़ेगी। बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पर सहमति बनी। बैठक में वृद्धजनों की सुविधा और कानूनी प्रक्रियाओं में सुधार की दिशा में भी अहम कदम उठाया है। रिटायरमेंट हाउसिंग नीति वृद्धजनों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएगी। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि इन फैसलों का उद्देश्य राज्य में विकास को गति देना, सामाजिक समावेशिता बढ़ाना और कानूनी व्यवस्थाओं को सरल बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नई नीतियों का सही और पारदर्शी कार्यान्वयन सुनिश्चित करें। साझा भूमि रास्ता नीति से निजी परियोजनाओं के लिए ग्राम पंचायत से मंजूरी लेकर रास्ता तय किया जा सकेगा। रिटायरमेंट हाउसिंग नीति से वृद्धजनों के लिए बेहतर सुविधाएं और अतिरिक्त एफएआर सुविधा मिलेगी। कैबिनेट ने रिटायरमेंट हाउसिंग पॉलिसी में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। राज्य के वृद्धजन अब और बेहतर सुविधाओं के साथ रिटायरमेंट कॉलोनियों में रह सकेंगे। संशोधन के अनुसार हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) के माध्यम से फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) बढ़ाकर 3.0 कर दिया गया, जो पहले 2.25 था। इस बदलाव से डेवलपर्स और वृद्धजनों दोनों को लाभ मिलेगा।

हरियाणा की मंडियों में उतरेंगे सभी मंत्री और विधायक : सीएम नायब सैनी

चंडीगढ़. हरियाणा में गेहूं खरीद के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा किए जा रहे हंगामे पर पलटवार करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी आज खुद फ्रंट पर आए। बुधवार को चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष खरीद व्यवस्था को लेकर बेवजह दुष्प्रचार कर किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों को जिलों की मंडियों की नियमित निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है और उपायुक्तों (डीसी) को जिला स्तर पर खरीद व्यवस्था का प्रभारी बनाया गया है। मंत्री और विधायक भी लगातार मंडियों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने आढ़तियों से भी अपील की कि वे किसी प्रकार की राजनीतिक मंशा से ऊपर उठकर किसानों के हित में सहयोग करें।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने तीन-स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस व्यवस्था के तहत खरीद केंद्रों पर लाई गई फसल का किसान द्वारा पंजीकृत फसल से मिलान सुनिश्चित किया जाएगा। इससे फसल सत्यापन प्रक्रिया अधिक सटीक और विश्वसनीय बनेगी। उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल तक मंडियों में लाई गई गेहूं का 75 प्रतिशत बायोमेट्रिक सत्यापन सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 3 नामांकित व्यक्तियों को भी बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए अनुमति दी गई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी मंडियों और गोदामों को जियो-फेंसिंग के दायरे में लाया गया है। इससे अनधिकृत उपयोग पर प्रभावी रोक लगेगी और लोकेशन आधारित निगरानी प्रणाली और मजबूत होगी। अब तक 416 गेहूं मंडियों, 112 सरसों मंडियों तथा अधिक आवक की स्थिति से निपटने के लिए 179 अतिरिक्त स्थलों की जियो-फेंसिंग पूरी की जा चुकी है। इसके अलावा 1,344 भंडारण स्थलों (स्टोरेज प्वाइंट्स) की भी जियो-फेंसिंग की गई है, जिससे खाद्यान्नों का सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित भंडारण सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि मंडियों में माल की ट्रेसेब्लिटी और जवाबदेही बढ़ाने के लिए एंट्री गेट पास जारी करते समय वाहन नंबर और वाहन/लोड की फोटो दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मंडी से स्टॉक बाहर ले जाने से पहले एग्जिट गेट पास के लिए ट्रांसपोर्ट और मार्केट कमेटी सचिव दोनों की अनिवार्य स्वीकृति सुनिश्चित की गई है। इस बहु-एजेंसी सत्यापन प्रणाली से स्टॉक की सुरक्षित और प्रमाणित आवाजाही संभव हो रही है। उन्होंने कहा कि 8 अप्रैल, 2026 तक 1,74,635 एग्जिट गेट पास बिना किसी समस्या के जारी किए जा चुके हैं, जो नई व्यवस्था की सफलता को दर्शाता है।

मंदिरों स्थानकों में आज होगा सामूहिक नवकार महामंत्र का जाप

करनाल. विश्व नवकार महामंत्र दिवस आज नौ अप्रैल को विश्व भर में मनाया जाएगा। इस बार विश्व में शांति की स्थापना के लिए तथा आपस में भाई चारा बढ़ाने के लिए सुबह आठ बजे से साढ़े नौ बजे तक घर - घर में नवकार मंत्र (णमोकार मंत्र) का जाप किया जाएगा। नौ अप्रैल को विश्व के 120 से अधिक देशों में इसका जाप किया जाएगा। इसके लिए जीतो अखिल भारतवर्षीय जैसवाल जैन महा सभा सहित जैन समाज के विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस दिवस को मना रहे हैं। हर घर में इस महामंत्र का जाप करने का आह्वान किया जा रहा है। करनाल के जैन मंदिरों जैन स्थानकों में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम दिगंबर जैन मंदिर में किया जाएगा। यहां पर सुबह आठ बजे से साएे नौ बजे तक लगातार नवकार महामंत्र का पाठ किया जाएगा। यह जानकारी दिगंबर जैन सोसायटी के प्रधान बीरेश जैन तथा एसएसी जैन ने दी। उन्होंने इस अवसरपर सभी से भाग लेने की अपील की। जैन स्थानक हनुमान गली और अन्य स्थानकों में भी नवकार महामंत्र का पाठ किया जाएगा। एसएस जैन सभा के प्रधान अशोक जैन महामंत्री नवीन जैन अशोकजैन कैशियर, सतीश जैन रमन जैन आल इंडिया जैन कां फ्रेस के प्रदेश पदाधिकारी अनिल जैन , जैन समाज के रतन जैन सुशील जैन, अजय कुमार जैन ने समाज के प्रवुद्ध जनों से अपने घर पर रह कर एक घंटे तक नवकार महामंत्र का जाप करने की अपील की।

गलत नीतियों की मार झेल रहा किसान, संकट गहराया : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने नूंह और तावडू के मंडियों का दौरा कर किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने किसानों को आ रही दिक्कतों को लेकर राज्य सरकार पर तीखा प्रहार किया। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार किसानों को राहत देने के बजाय दिन-प्रतिदिन उन्हें परेशान करने में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से शुरू होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू नहीं हो पाई है। मंडियों में केवल नाम मात्र की खरीद हो रही है और कुल उत्पादन का बेहद कम हिस्सा ही उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंडियों में लिफ्टिंग की व्यवस्था चरमराई हुई है और छ्व-स्नशहद्ब नहीं बनने के कारण किसानों को समय पर भुगतान भी नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा गेट पास जारी करने में भी भारी दिक्कतें आ रही हैं, वहीं बायोमेट्रिक और ट्रैक्टर-ट्रॉली वेरिफिकेशन, पोर्टल का सुचारू रूप से ना चलना जैसी प्रक्रियाओं ने किसानों की परेशानी और बढ़ा दी है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार खुद को डबल इंजन सरकार बताती है, ऐसे में उसे केंद्र सरकार से समन्वय बनाकर किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि फसल की गुणवत्ता को लेकर मानकों में राहत दी जाए और बारिश के कारण दाने काले होने की स्थिति में किसानों को विशेष छूट प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में किसान अपनी मांगों को लेकर धरनों पर बैठे हैं और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। वहीं, कृषि मंत्री द्वारा यह कहना कि बारिश से कोई नुकसान नहीं हुआ, पूरी तरह से जमीनी हकीकत से परे है। कुछ नेताओं के ऐसे बयान कि बारिश से किसान खुश हैं, किसानों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन एवं न्यूरो-डेवलपमेंटल विकार विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हिसार. दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट के तत्वावधान में एफ.सी. कॉलेज, हिसार के मनोविज्ञान विभाग में मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन एवं न्यूरो-डेवलपमेंटल विकार विषय पर एक विस्तृत, ज्ञानवर्धक एवं व्यवहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में एम.ए. मनोविज्ञान, बी.ए. मनोविज्ञान तथा एम.ए. योग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी समझ को और अधिक सशक्त बनाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. अनीता सहारावत ने की तथा मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. पियूषा शर्मा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ। इस अवसर पर सहायक प्रवक्ता (मनोविज्ञान) डॉ. रिंकू, सुश्री सुचित्रा, सुश्री सुशीला एवं सुश्री सुमन की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता राजपाल सिंह बासनीवाल (सीनियर रिहैब प्रोफेशनल एवं समन्वयक, दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट) ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण आधार है, जो उसके व्यवहार, सोच, भावनाओं एवं सामाजिक संबंधों को प्रभावित करता है। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ते तनाव, प्रतिस्पर्धा, डिजिटल निर्भरता एवं सामाजिक दबाव के कारण उत्पन्न मानसिक समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने न्यूरो-डेवलपमेंटल विकारों जैसे ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, एडीएचडी, संचार विकार एवं मोटर विकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा इनके कारणों जैसे आनुवंशिक कारक, मस्तिष्क विकास में असंतुलन, गर्भावस्था के दौरान पोषण की कमी, जन्म के समय जटिलताएं एवं पर्यावरणीय प्रभावों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में अरुण राठी (विशेष अध्यापक) एवं अनुप्रिया वर्मा (मनोवैज्ञानिक) ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से व्यावसायिक कौशल विकसित कराए। कार्यक्रम का शुभारंभ मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. पियूषा शर्मा द्वारा किया गया तथा समापन प्राचार्या डॉ. अनीता सहारावत द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट के सभी विशेषज्ञों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन की सराहना। अंत में आयोजकों द्वारा सभी प्रतिभागियों, प्राध्यापकों एवं सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

गार्गी तोमर ने जम्मू कश्मीर की पांच किलोमीटर मैराथन दौड़ में जीता गोल्ड

करनाल. हिम्मत करें इन्सान तो क्या कर नहीं सकता। कर खुदी को बुलन्द इतना की खुदा भी बन्दे से पूछे बता तेरी रजा क्या है। हौसला होना ही मंज़िल तक पहुंचने में मदद करता है। झिंझाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव की होनहार छात्रा गार्गी तोमर ने अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र ही नहीं जनपद और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन कर दिया है। गार्गी ने जम्मू-कश्मीर में 29 मार्च को आयोजित मैराथन की 5 किलोमीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल का खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि के पीछे गार्गी के पिता रूपेंद्र तोमर का संघर्ष भी साफ झलकता है। जो आर्थिक तंगी के बावजूद अपनी बेटी के ओलंपिक खेलने के सपने को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। पिता-बेटी की यह मेहनत अब रंग लाने लगी है। जम्मू कश्मीर से उन्हें 1,00,000 का चेक मिला है। गार्गी की इस सफलता पर बलवंती देवी कन्या इंटर कॉलेज के प्रबंधक इंद्रपाल सिंह तोमर ने गर्व जताते हुए उसे कॉलेज में बुलाकर सम्मानित किया और उज्ञवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। तोमर ने बताया कि गार्गी ने कक्षा एक से कक्षा 12 तक बलवंती कालेज में ही शिक्षा ग्रहण की है। कक्षा 12 का परीक्षा परिणाम अभी आने वाला है। खुर्शीद आलम पूर्व मिडिया कॉर्डिनेटर हरियाणा रा'य हज कमेटी हरियाणा सरकार ने गार्गी तोमर के गोल्ड मेडल जीतने पर कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएं जो क्षेत्र का नाम रोशन कर रही है एक दिन गार्गी तोमर भी देश का नाम रोशन करेंगी। श्री राज सिंह गोदारा हरियाणा प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा ने भी गार्गी तोमर को आर्शीवाद देते हुए कहा है कि ये हमारी सर्वश्रेष्ठ बालिकाएं है जो घर परिवार के साथ में क्षेत्र स्कूल का नाम रोशन करने का कार्य करती है हमें गार्गी तोमर पर गर्व महसूस हो रहा है जिससे स्कूल की अन्य छात्राओ को भी सीख लेनी चाहिए। राज सिंह गोदारा जी ने गार्गी तोमर के द्वारा गोल्ड मेडल जीतने पर उसके उज्ञवल भविष्य की कामनाा की है। कालेज के डायरेक्टर अंकित तोमर, प्रधानाचार्या रेनू तोमर भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष बंटी चौधरी ने भी गार्गी की सफलता पर उसे बधाई दी है।

कोच ने गार्गी की मेहनत और प्रदर्शन की सराहना करते हुए उसे बधाई दी। सोमवार सुबह गांव पहुंचने पर गार्गी को फूल माला पहनाकर ढोल बजाकर गांव के बुजुर्गों ने अपना आशीर्वाद दिया। बाबा राजवीर चौधरी और माता ने भी गार्गी का मुंह मीठा कराकर उसे आशीर्वाद दिया।

नेचुरल फार्मिंग एंड इट्स सोशियो इकोनामिक एनवायरमेंटल एंड हेल्थ इंप्लीकेशन पर व्याख्यान

विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती से जुड़कर नए मॉडल बनाने चाहिए : धर्माणी

पंचकूला ऑब्जर्वर

भिवानी. चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के प्रांगण में कुलगुरु प्रोफेसर डॉ. दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता में आज समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के तत्वाधान में नेचुरल फार्मिंग एंड इट्स सोशियो इकोनामिक एनवायरमेंटल एंड हेल्थ इंप्लीकेशन विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कुलगुरु प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी के द्वारा इस विषय पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया एवं उन्होंने इस विषय के महत्व को समझते हुए समस्त मौजूद स्टाफ एवं विद्यार्थियों को बढ़-चढकर के ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे को ध्यान में रखकर, इस प्रकार के प्रोजेक्ट करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के समाजशास्त्र विभाग के विभाग अध्यक्ष तथा प्रख्यात पर्यावरण समाजशास्त्री डॉ. विनोद चौधरी ने बतौर मुख्य वक्ता उपरोक्त विषय पर अपना वक्तव्य दिया। इस व्याख्यान के आरंभ मैं वातावरण, शहरी और जलवायु के मुद्दों पर वर्षों से कार्य करने वाले समाजशास्त्र और समाज कार्य के विभाग अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार तेवतिया ने अतिथियों का स्वागत किया और इस विषय की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती से जुडकर नए मॉडल बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से हम अपने गृह क्षेत्र में कृषि की प्राकृतिक विधियों का इस्तेमाल कर जमीन और स्वास्थ्य है दोनों का भरण पोषण कर सकते हैं और ऐसे नए स्टार्टअप्स, जो क्षेत्र की कृषि तथा जल की समस्या के समाधान के साथ, तकनीकी सुधार या नई सेवा प्रदान करते हो, शुरू कर सकते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. विनोद चौधरी ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए प्राकृतिक खेती,जैविक खेती एवं किस प्रकार से नानक खेती की विधि के द्वारा हम पर्यावरण के अनुकूल फसल का उत्पादन कर सकते हैं और इससे पैदा हुई फसल किस प्रकार स्वास्थ्य एवं आर्थिक पहलु से लाभदायक हैं, इस बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बायोचार के माध्यम से हम भूमि को वर्षों तक उपजाऊ बनाए रख सकते हैं। यह विधि न सिर्फ जमीन के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है बल्कि इससे होने वाली फैसले भी अत्यधिक मात्रा में लाभदायक एवं पोषण से भरपूर होती हैं। इस विधि के उपयोग से जहां एक तरफ उपज ज्यादा होती है, वहीं दूसरी तरफ भूमि भी सैकड़ो वर्षों तक संरक्षित रहती है। उन्होंने विश्वविधालय के दोनों का दौरा किया तथा अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने खास कर छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के दौर में महिलाएं भी अनेकों वैज्ञानिक विधियों का उपयोग करके अपने आप को अच्छे कृषि संबंधी उद्यमियों के रूप में स्थापित करने का कार्य कर रही है अत- वह भी हौसला करें नवीन विधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करें और अपने-अपने क्षेत्र में उसे जानकारी के आधार पर आगे बढने् तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने का काम करें।

तलवंडी राणा के लिए सड़क निर्माण को लेकर बैठक 10 अप्रैल को

हिसार. गांव तलवंडी राणा में सड़क निर्माण को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग हरियाणा द्वारा 10 अप्रैल को प्रात- 11-30 बजे बरवाला रेस्ट हाउस में एक बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (पीडब्ल्यूडी बी एंड आर) करेंगे। इस संबंध में क्षेत्रवासी लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा से मिले थे। उन्होंने अवगत करवाया था कि तलवंडी-हिसार का पुराना सड़क मार्ग बंद होने से न केवल तलवंडी बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

एक नजर

अंग्रेजी व्याकरण पर कार्यशाला आयोजित

नारायणगढ़. राजकीय महाविद्यालय नारायणगढ़ के प्राचार्य रोहित कुमार के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अंग्रेजी विभाग द्वारा 7 एवं 8 अप्रैल 2026 को दो दिवसीय अंग्रेजी व्याकरण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में सुब्रतो रंजन पूरकायस्थ, संस्थापक एवं निदेशक, कैच देम यंग एजुकेशन चण्डीगढ़ विशेषज्ञ रहे। इस कार्यशाला में लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया और इससे लाभान्वित हुए। कार्यशाला के दौरान सुब्रतो रंजन ने काल, कर्ता-क्रिया सामंजस्य, नॉन-फाइनाइट क्रियाएं, सक्रिय एवं निष्क्रिय वाच्य तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष कथन, जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को व्याकरण के सही प्रयोग तथा संप्रेषण कौशल को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के अंत में कॉलेज प्राचार्य ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़ बनाने के लिए निरंतर अभ्यास करने हेतु प्रोत्साहित किया तथा कहा कि भाषा कौशल उनके उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। उन्होंने कॉलेज की ओर से कार्यशाला विशेषज्ञ सुब्रतो रंजन का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस कार्यशाला की सफलता में प्रो.संजीव कुमार, प्रो.सुभाष कुमार, प्रो. अपूर्वा चावला, प्रो. रेणु कुमारी, डॉ स्वर्णजीत, डॉ प्रीति तथा डॉ.गौरी का महत्वपूर्ण योगदान एवं सहभागिता रही।

विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

बराडा. महर्षि मार्कंडेश्वर कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज़ एंड रिसर्च (एमएमसीएमएसआर), सदोपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मीनाक्षी के नेतृत्व में प्रधानाचार्य डॉ. सुखमिंदर जीत सिंह बाजवा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अतुल जैन के मार्गदर्शन तथा विभागाध्यक्ष डॉ. अमरजीत सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के तहत एमबीबीएस चरण-3 (भाग-1) के विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम स्वास्थ्य के लिए साथ आएं, विज्ञान का समर्थन करें को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में लगभग 150 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित व्याख्यानों में विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों में वैज्ञानिक प्रमाणों के महत्व, वैश्विक सहयोग की आवश्यकता तथा 'एक स्वास्थ्य' दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रहा।

अतिरिक्त उपायुक्त ने आदमपुर मंडी का किया निरीक्षण, फसल खरीद व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

हिसार. अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद ने मंगलवार को आदमपुर मंडी का निरीक्षण कर फसल खरीद को लेकर की गई तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खरीद प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त ने मंडी में पहुंचकर खरीद केंद्रों, तौल व्यवस्था, बारदाना उपलब्धता तथा उठान प्रक्रिया की स्थिति की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की फसल का समय पर उठान सुनिश्चित किया जाए ताकि मंडी में अनावश्यक भंडारण न हो और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बायोमेट्रिक सत्यापन को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक किसान की फसल की खरीद से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों के तहत ही पूरी की जाएं। अतिरिक्त उपायुक्त ने मंडी में किसानों के लिए पेयजल, शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध पहले से ही पूरे कर लिए जाएं। इसके अतिरिक्त उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता सामने आने पर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से मंडी का निरीक्षण करें और व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखें, ताकि गेहूं खरीद प्रक्रिया बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

25 राइडर्स बाइक व स्कूटी तैनात, हॉट स्पॉट क्षेत्रों में बढ़ेगी सुरक्षा

कैथल. जिला वासियों की सेवा, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से कैथल पुलिस द्वारा एक सराहनीय कदम उठाया गया है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार जिले में 25 राइडर्स बाइक व स्कूटी की विशेष टीम तैयार कर तैनात की गई है, जो सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बुधवार सुबह पुलिस लाइन कैथल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक एसएचओ इंस्पेक्टर सतपाल तथा पीएसआई जॉनी द्वारा हरी झंडी दिखाकर इन सभी राइडर्स को जनता की सेवा के लिए रवाना किया गया। इस मौके पर पीएसआई जॉनी ने राइडर्स को अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा, सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ निभाने के निर्देश दिए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह राइडर्स टीम जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चिन्हित हॉट स्पॉट स्थानों पर विशेष रूप से गश्त करेगी। इन स्थानों पर नशा करने वाले, नशा तस्करी में लिप्त व्यक्तियों तथा अन्य असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य अपराधों पर नियंत्रण, आमजन में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देना तथा पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। राइडर्स टीम संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए कानून व्यवस्था को बनाए रखने में भी अहम योगदान देगी। कैथल पुलिस द्वारा उठाया गया यह कदम जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करेगा।

अंबेडकर जयंती की तैयारियों को लेकर सफाई कर्मचारी यूनियन की बैठक

यमुनानगर. राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता इकाई संगठन मंत्री कश्मीरी लाल ने की, जबकि संचालन सचिव विजय मंडेबर ने किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यूनियन संविधान में विश्वास रखने वाली संस्था है और उसके सिद्धांतों के अनुरूप ही अपने कार्यों का संचालन करती है। अंबेडकर जयंती को सामाजिक समरसता और समानता के संदेश के रूप में मनाने पर बल दिया गया।

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर, बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी।' मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, 'आप सबसे बढ़िया हैं... बॉस।' फराह खान ने लिखा, 'अरे वाह।' 'आर्मी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं। स्नाइडर ने 'आर्मी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था। इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म्स' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर आएंगी, अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग

कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा। फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी

अनन्या पांडे फिल्मों के अलावा सीरीज का भी हिस्सा बन रही हैं। अपनी अपकमिंग एक सीरीज की शूटिंग एक्ट्रेस ने खत्म कर ली है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपकमिंग सीरीज की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी। सीरीज की शूटिंग खत्म होने का जश्न भी मनाया है।

अनन्या पांडे जल्द ही सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक स्टाइलिश लड़की के रोल में हैं, जिसकी लाइफ में कई दिक्कतें आती हैं लेकिन वह अपने ही अलग अंदाज में इनका हल तलाश लेती है। इस सीरीज में अनन्या पांडे के साथ इस बार श्रुति हासन भी नजर आएंगी। 'कॉल मी बे 2' को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया है। इससे पहले भी अनन्या पांडे करण जौहर प्रोडक्शन के कई प्रोजेक्ट्स कर चुकी हैं। 'कॉल मी बे 2' के अलावा अनन्या पांडे एक फिल्म 'चांद मेरा दिल' भी कर रही हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं सप्तमी गौड़ा

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म 'पॉपकॉर्न मंकी टाइगर' से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है।

500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में 'द राइज ऑफ अशोका' में नजर आने के बाद 'उग्रयुद्धम' उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो 'सलार' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती, जो मौका मिलता है उसका फायदा उठाती हूं

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है। कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।' अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।' अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।'

'रणबाली' से लेकर 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

शादी के बाद रश्मिका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में 'रणबाली' से लेकर 'एनिमल पार्क' और 'कॉकटेल 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। रश्मिका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'मैसा'

'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रश्मिका एक गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है।

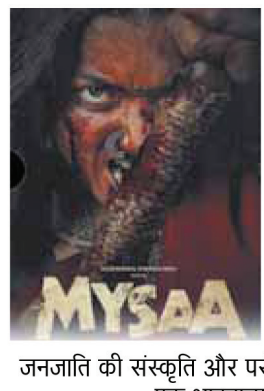

'रणबाली'

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं।

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज'

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रश्मिका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी। अल्लू अर्जुन फिर से 'पुष्पा' के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में पिछले भागों से भी ज्यादा एक्शन, रोमांस और रोमांच देखने को मिलेगा।

AA22×A6

AA22×A6 एक तेलुगु फिल्म है। इसमें दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एटली कर रहे हैं। कहानी एक दिव्य योद्धा (अल्लू अर्जुन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अराजकता से लड़ता है और पूरे ब्रह्मांड को बचाने का मिशन लेता है।

'एनिमल पार्क'

'एनिमल पार्क' 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' की सीक्वल है। 'एनिमल पार्क' की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर दो हमशक्ल किरदारों में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अपनी पिछली भूमिका गीतांजलि (रणविजय सिंह की पत्नी) को फिर से निभाती नजर आएंगी।

'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक अनोखी और अलग तरह की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com